

# Hindi Murli Quiz 24-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है। मुरली सुनने के लिए [यहाँ](#) क्लिक करें। पुरानी क्विज के लिए [यहाँ](#) क्लिक करें।

## Q.1) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोड़ें --

|   | Choice  |   | Match                                       |
|---|---|---|---|
| A | अब वास्तव में उसकी ओपनिंग तो शिवबाबा करते हैं।            | 1 | प्रजापिता ब्रह्माकुमार- कुमारियां।          |
| B | अखबार में भी पड़ेगा-                                      | 2 | वह कोई कम है क्या !                         |
| C | प्रजापिता तो सबका बाप हो गया।                             | 3 | परन्तु हम ब्राह्मणों द्वारा कराते हैं।      |
| D | फिर बाप खुद सेरीमनी कराते हैं।                            | 4 | करनकरावनहार है ना।                          |
| E | बुद्धि में रहना चाहिए ना हम स्वर्ग की स्थापना कर रहे हैं। | 5 | तो कितना पुरुषार्थ कर श्रीमत पर चलना चाहिए। |

## Q.2) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोड़ें --

|   | Choice  |   | Match   |
|---|---|---|---|
| A | सबसे अच्छा कर्म है  | 1 | वैकुण्ठ, स्वर्ग, सुखधाम।                                      |
| B | लाउद्दीन की बत्ती वा जादूगर की बत्ती क्या-क्या दिखाती है! | 2 | अब अपना यह है गेट ऑफ मुक्ति जीवनमुक्ति।                       |
| C | अब यह जो प्रकाश दिखाने के लिए बचचे                        | 3 | प्रदर्शनी मेले करते हैं, इतना खर्चा करते हैं, माथा मारते हैं। |
| D | देहली में भी इन्डिया गेट है।                              | 4 | मन्सा, वाचा, कर्मणा अन्धों की लाठी बनना।                      |
| E | हमेशा गेट दो होते हैं                                     | 5 | इन और आउट।  |

## Q.3) साधू लोग अपने को ऊंच पवित्र समझते हैं, औरों को अपवित्र नीच समझते हैं। तुम भल जानते हो हम सबसे ऊंच हैं परन्तु कोई हाथ जोड़े तो रसपाण्ड देना पड़े। हरीओम् तत्सत् करते हैं, तो करना पड़े। ....

- A. ☐ युक्ति से नहीं चलेंगे तो वो तुम्हें तंग करेंगे।  
B. ☐ युक्ति से नहीं चलेंगे तो वो तुम्हारी निंदा करेंगे, लोगों को तुम्हारे पास आने से रोकेंगे।  
C. ☐ युक्ति से नहीं चलेंगे तो वह हाथ नहीं आयेंगे।

## Q.4) बाबा ने देखा है बैठे-बैठे शरीर छोड़ देते हैं। वायुमण्डल बड़ा शान्त रहता है, सन्नाटा हो जाता है। सन्नाटा भी उनको भासेगा जो ज्ञान मार्ग में होंगे, शान्त में रहने वाले होंगे। बाकी कई बचचे तो अभी बेबियाँ हैं। घड़ी-घड़ी गिर पड़ते हैं, इसमें बहुत-बहुत गुप्त मेहनत है।

- A. ☐ True / ये वाक्य सही है  
B. ☐ False / ये वाक्य गलत है

## Q.5) जब मौत सिर पर आता है तो सभी भगवान का नाम लेते हैं। आजकल इतफाक तो बहुत होते रहेंगे। आहिस्ते-आहिस्ते आग फैलती है। आग शुरू होगी \_\_\_\_ से फिर आहिस्ते-आहिस्ते सारी दुनिया जल जायेगी।

- A. ☐ भारत  
B. ☐ पाण्डवों  
C. ☐ कौरवों  
D. ☐ विलायत  
E. ☐ यादवों

## Q.6) तुम अभी किसको माथा नहीं टेक सकते हो | ...

- A. ☐ क्योंकि आत्मा तो बिंदी है, तुम उसके आगे क्या माथा टेकेंगे !  
B. ☐ कायदा नहीं।  
C. ☐ क्योंकि तुम उन सबसे ऊँच हो।

## Q.7) तो नाम लिख दें-गेट ऑफ शान्तिधाम और सुखधाम अथवा गेट ऑफ प्योरिटी, पीस, प्रासपर्टी। यह तो अच्छे अक्षर हैं। तीनों ही यहाँ नहीं हैं। तो इस पर फिर समझाना की भी दरकार नहीं। नई दुनिया में यह सब था। नई दुनिया की स्थापना करने वाला है पतित-पावन, गाड फादर।

- A. ☐ True / ये वाक्य सही है  
B. ☐ False / ये वाक्य गलत है

Q.8) यह महाभारत लड़ाई भी \_\_\_ खोलती है।

Q.9) इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

- A. ☐ बड़ी मंजिल है। अपने को आत्मा समझ बाप को याद करना, मासी का घर नहीं है।
- B. ☐ जैसे भक्ति मार्ग में तीव्र वेग से याद करते हैं तो साक्षात्कार होता है। ऐसा थोड़े ही अपनी मेहनत से दिव्य दृष्टि दाता बन जाते हैं।
- C. ☐ जो बाबा की याद में और ज्ञान में मस्त होंगे वही अन्त की सभी सीन सीनरी देख सकेंगे।
- D. ☐ जैसे बाबा दिव्य दृष्टि दाता है तो स्वयं अपने लिए दिव्य दृष्टि दाता बन नहीं सकते।
- E. ☐ सिर्फ तुम शिवबाबा को याद करो तो सब साक्षात्कार हो जायेंगे। नौधा भक्ति से भी साक्षात्कार होता है ना। यहाँ तुमको एम ऑब्जेक्ट का साक्षात्कार तो होता ही है फिर तुम बाबा को, स्वर्ग को बहुत याद करेंगे।

Q.10) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोड़ें --

|   | Choice  |   | Match   |
|---|---|---|---|
| A | ऐसे बाप का बनकर फिर भी इतनी खुशी में नहीं रहते हैं।         | 1 | दुःख हरनी पाप कटनी नहीं कहेंगे।                     |
| B | माया घड़ी-घड़ी बहुत घुटके खिलाती है।                        | 2 | घुटके खाते रहते हैं।                                |
| C | बाप घुटका खिलाते हैं ज्ञान सागर में                         | 3 | ब्रह्म पुत्रा, सिंध, सरस्वती यह भी नाम रखे हुए हैं। |
| D | सतयुग में गंगा को   | 4 | शिवबाबा की याद भुला देती है।                        |
| E | फिर समझते हैं सागर से निकली हुई यह छोटी-बड़ी नदियाँ भी हैं। | 5 | माया फिर घुटका खिलाती है विषय सागर में।             |